

कहानी का सारांश

यह कहानी में सौरभ ने अपने बगीचे में आम की गुठली लगाई। कुछ दिनों तक पौधा नहीं निकला, तो उसने पानी डालना बंद कर दिया। एक दिन बारिश हुई और गुठली से पौधा निकल आया। सौरभ और उसकी बहन प्रिया बहुत खुश हुए। उन्होंने पिताजी को बताया, तो पिताजी ने समझाया कि पौधे को बड़ा होने में समय लगेगा। सौरभ ने कहा कि वे पौधे की देखभाल करेंगे और एक दिन इसके फल अवश्य खाएँगे।

यह कहानी बच्चों को धैर्य और लगन की शिक्षा देती है। यह बच्चों को प्रेरित करती है कि वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रयास करें।

सीख: धैर्य रखना ज़रूरी है। मेहनत और लगन से सफलता अवश्य मिलती है।

शब्दार्थ

टोकरी : फलों, सब्जियों आदि को रखने के लिए बनी बेंत या किसी अन्य पदार्थ की बनी चीज़।

नन्हा : छोटा

गुठली : फल के बीच का कठोर भाग जिसमें बीज होता है।

प्रसन्न : खुश

छिड़कना: थोड़ा-थोड़ा करके गिराना

तना : पेड़ का मुख्य भाग

प्रतिदिन: हर दिन

शाखा : पेड़ की टहनी

बीतना : गुजरना

उदास : दुखी

वर्षा : बारिश

देखभाल: रखरखाव

कौंपल : पौधे की नई टहनी या पत्ता

अवश्य : ज़रूर

प्रश्न - अभ्यासबातचीत के लिए

1. आपको कौन-सा फल बहुत अच्छा लगता है? वह फल आपको क्यों पसंद है?

उत्तर:- मेरा पसंदीदा फल आम है। मुझे इसकी मीठी खुशबू, रसीला स्वाद बेहद पसंद है। आम में कई पोषक तत्व होते हैं, जैसे कि विटामिन ए, सी, और ई, जो मेरे स्वास्थ्य के लिए अच्छे हैं।

2. आपके घर या विद्यालय में कौन-से पेड़-पौधे लगे हैं? उनकी देखभाल कौन करता है?

उत्तर:- मेरे घर में तुलसी, नीम, मनी प्लांट और गुलाब शामिल हैं। इनकी देखभाल मैं और मेरा परिवार मिलकर करते हैं। मेरे विद्यालय में बरगद, पीपल, नीम, और अशोक आदि पेड़ हैं। इनकी देखभाल विद्यालय के माली करते हैं।

3. चित्र में कुछ आम धरती पर गिरे पड़े हैं। आम पेड़ से नीचे क्यों गिर गए होंगे?

उत्तर:- आम पेड़ से नीचे गिरने के कई कारण हो सकते हैं जैसे की तूफान या तेज हवा, फल पकने पर गिरना, पक्षियों या जानवरों की हरकतों से भी फल गिर जाते हैं।

4. चित्र में दिखाए गए बच्चे और व्यक्ति आमों का क्या करेंगे?

उत्तर:- आम का इस्तेमाल वे खाने के लिए, बेचने के लिए, उपहार के लिए कर सकते हैं।

सोचिए और लिखिए

1. सौरभ के चाचाजी ने सौरभ को किस मौसम में आम भेजे?

उत्तर:- सौरभ के चाचाजी ने सौरभ को गर्मियों के दिनों में आम भेजे।

2. आम खाकर सौरभ के मन में क्या विचार आया?

उत्तर:- आम खाकर सौरभ ने अपने बगीचे में भी आम का पौधा लगाने का विचार किया।

3. सौरभ ने पानी डालना क्यों बंद कर दिया? क्या उसे ऐसा करना चाहिए था?

उत्तर:- कुछ दिन बीत जाने के बाद जब उसे आम का पौधा नहीं दिखा तो उसने पानी डालना बंद कर दिया। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

4. सौरभ और उसकी बहन क्यों प्रसन्न थे?

उत्तर:- क्योंकि उन्हें बगीचे में लाल-लाल कोंपलों वाला नन्हा-सा आम का पौधा दिखाई दिया था।

5. पिताजी ने आम के पौधे के बारे में सौरभ और उसकी बहन को कौन-सी बात बताई?

उत्तर:- पिताजी ने बताया कि पौधे को बड़ा होने में बहुत समय लगेगा और चार-पाँच साल के बाद ही इसमें आम लगेंगे।

आपका अनुमान, किसने क्या कहा?

1. नीचे कहानी से जुड़े कुछ चित्र दिए गए हैं। चित्र में दिख रहे पात्र आपस में क्या बात कर रहे होंगे, अनुमान लगाकर लिखिए-

उत्तर:-

सौरभ = "यह पौधा मैंने लगाया है। यह आम का पौधा है। इसमें खूब मीठे आम लगेंगे।"

प्रिया = यह कितना छोटा और सुंदर पौधा लग रहा है।

(दोनों भागे-भागे पिताजी के पास गए।)

पिताजी = "क्या बात है? आज तुम दोनों बहुत प्रसन्न हो।"

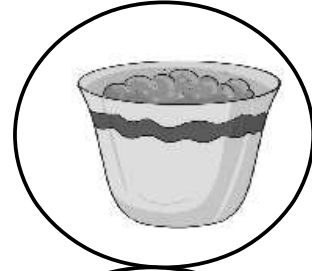
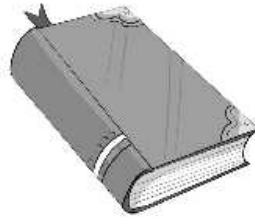
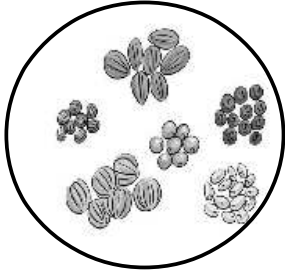
प्रिया = "पिताजी, बगीचे में आम का पौधा निकल आया है। अगले वर्ष हम अपने ही पेड़ के आम खाएँगे।"

(उसकी बात सुनकर पिताजी हँसे।)

पिताजी = "छोटे से पौधे को बड़ा होने में बहुत समय लगेगा। चार-पाँच वर्ष में एक बड़ा पेड़ बन जाएगा। इसका तना मोटा होगा। बड़ी-बड़ी शाखाएँ होंगी। तब इसमें आम लगेंगे।"

आइए पौधा लगाएँ

1. यहाँ बहुत-सी वस्तुओं के चित्र बने हैं। उन वस्तुओं पर घेरा बनाइए जो पौधा लगाने के काम आती हैं-



2. गुठली की बुआई का क्रम:-

सौरभ आम की गुठली बो रहा है। क्रम से बताइए कि उसने पहले क्या किया होगा-

- (क) धरती पर पानी डाला।
- (ख) खुरपी से धरती में गड्ढा खोदा।
- (ग) गुठली बोने के लिए अपनी माँ से सही स्थान का सुझाव माँगा।
- (घ) माता-पिता से गुठली बोने की इच्छा बताई।
- (ङ) बाल्टी में पानी लेकर आया।
- (च) माताजी से गुठली बोने की जानकारी ली।
- (छ) गड्ढे में गुठली डालकर उस पर मिट्टी डाली।
- (ज) गड्ढे में खाद डाली।

5

6

2

1

4

3

8

7

3. आइए, सौरभ और प्रिया के बगीचे की सैर करते हैं। पता लगाते हैं कि वहाँ क्या-क्या है?



आम का पेड़



केले का पेड़



जामुन का पेड़



अमरूद का पेड़



अनार का पेड़

4. सौरभ और प्रिया ने फल, साग और अनाज के नामों की सूची बनाई है। आइए, सही टोकरी में सही वस्तु रखते हैं-

आम	करेला	गेंहूँ	ककड़ी	आलू	बाजरा
मूली	पपीता	लौकी	चावल	लीची	केला
	गाजर	अनार	मकई	पालक	बैंगन

आम पपीता लीची केला अनार	गेंहूँ बाजरा मकई	करेला ककड़ी आलू मूली लौकी बैंगन गाजर पालक
-------------------------------------	------------------------	----------------------------------------------------------------



फल की टोकरी



अनाज की टोकरी



सब्जी की टोकरी

5. मेरे विद्यालय में पेड़-पौधे

(क) आपके विद्यालय में कौन-कौन से पेड़-पौधे लगे हैं? पता लगइए और उनकी सूची बनाइए।

उत्तर:- बरगद, पीपल, नीम, और अशोक आदि पेड़ हैं।

(ख) विद्यालय के पेड़-पौधों की देखभाल के लिए आप और आपके सहपाठी क्या योगदान देते हैं, लिखिए-

उत्तर:- पौधों को पानी देना, पौधों को खाद देना, पौधों की निराई-गुड़ाई करना, पौधों की सुरक्षा करना, नए पौधे लगाना आदि काम करेंगे।

भाषा की बात

1. कहानी के अनुसार विशेषता लिखिए-

मीठे	आम
नन्हा	पौधा
.....छोटी.....	बहन
.....बड़ी-बड़ी.....	शाखाएँ
.....मोटा.....	तना
.....लाल-लाल.....	कॉपलें

2. कौन-सा पौधा लगाएँगे?

आप अपने बगीचे या गणले में कौन-सा पौधा लगाना चाहेंगे?

मैं अपने बगीचे या गमले में गुलाब का पौधा लगाना चाहूँगी/चाहूँगा, क्योंकि तुलसी एक पवित्र पौधा माना जाता है। यह औषधीय गुणों से भरपूर होता है और हवा को शुद्ध करने में भी मदद करता है

3. सौरभ ने आम की गुठली बोई। नीचे दी गई तालिका को पूरा कीजिए-

गुठली वाले	बिना गुठली वाले
आम, खुबानी, आड़ू लीची, चीकू आलू बुखारा, बेर जामुन	केला, पपीता, खरबूजा सेब, अमरूद, तरबूज संतरा, मौसमी अनार

4. काम और नाम वाले शब्द

कहानी में से काम और नाम वाले शब्द छाँटकर लिखिए-

काम वाले शब्द	नाम वाले शब्द
भेजना, सोचना, लगाऊँगा खोदी, डाल दी, छिड़क दिया बंद करना, घूमता हुआ पकड़कर, भागे-भागे	सौरभ, चाचाजी, टोकरी, प्रिया, आम, बगीचा, पानी वर्षा, मिट्टी, गुठली, पौधा कॉपलों, पिताजी, फल

5. चाचाजी के प्रति सौरभ का आभार

सौरभ के चाचाजी ने उसके लिए मीठे मीठे आम भेजे हैं। सौरभ उन्हें धन्यवाद कहना चाहता है। सौरभ को उन्हें क्या संदेश लिखना चाहिए-

आदरणीय चाचाजी _____

उत्तर:-

आदरणीय चाचाजी,

आपके द्वारा भेजे गए मीठे आमों के लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूँ। आम बहुत स्वादिष्ट थे और मुझे बहुत पसंद आए।

आपने मेरे लिए जो प्यार और स्नेह दिखाया है, उसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मुझे पता है कि आपने मेरे लिए ये आम बहुत सोच-समझकर भेजे हैं।

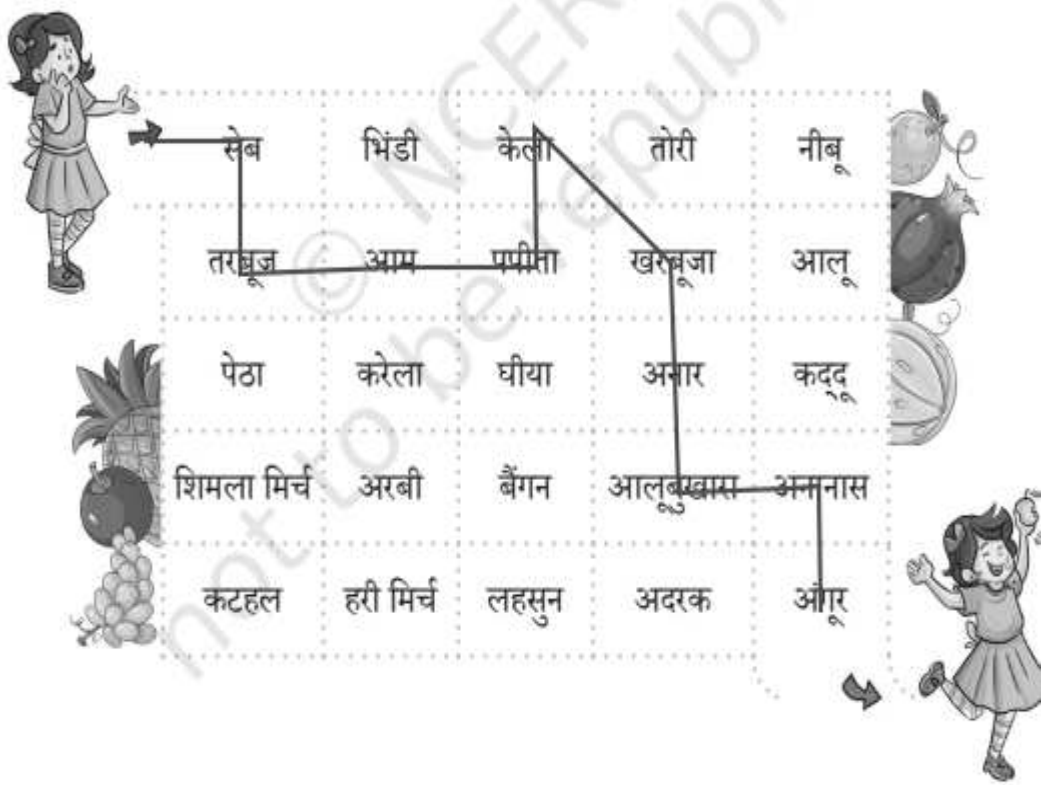
मैं आपके इस उपहार को हमेशा याद रखूँगा।

आपका प्यारा भतीजा,

सौरभ

खेल-खेल में

नीचे दिए गए भूलभुलैया के खेल में एक फल को दूसरे फल से मिलाते हुए भूलभुलैया से बाहर निकलने में प्रिया की सहायता कीजिए-



खोजें-जानें

1. आपने आम के विभिन्न प्रकार के नाम सुने होंगे, जैसे-दशहरी, सिंदूरी, चौसा आदि। घर के बड़ों से पूछकर कुछ और नाम पता करके लिखिए-

उत्तर:- लंगड़ा, हापुस, नीलम, तोतापरी, बीजू, केसर, मालदा, बादामी

बूझो तो जानें

1. लाल-लाल डिबिया के अंदर,
छोटे-छोटे पीले खाने।
इन खानों के भीतर हैं,
सफ़ेद लाल मोती के दाने।

उत्तर:- अनार

2. ऊपर से तो है हरा,
अंदर से है लाल।
उतना मीठा रस भरा,
जतनी मोटी खाल।

उत्तर:- तरबूज